११. राजस्थान	. .	१७.७४
१२. उत्तर प्रदेश	. .	..
१३ पश्चिमी बंगाल	. .	१५.६७

संघीय राज्य-क्षेत्र

१४. दिल्ली	. .	..
१५. हिमाचल प्रदेश	. .	०.२८
१६. मणिपुर	. .	१.६४
१७ त्रिपुरा	. .	१.६२
१८. लकादीव, मिनिकोय तथा अमिनदीव द्वीपसमूह	. .	०.२१

स्वशासित जिलो के अलावा असम के आदिवासी क्षेत्रों की अनुसूचित आदमजातियो की जनसंख्या के आंकड़े निश्चित नही हैं। जम्मू तथा काश्मीर और अन्दमान तथा निकोबार द्वीपसमूह मे अनुसूचित आदिमजातियो को अलग नही बताया गया है।

दिल्ली में वेश्यायें

१०५१. श्री श्रीनारायण दास : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली की वेश्याओ की गणना और उनके पजीयन का कोई प्रबन्ध है ; और

(ख) यदि हां, तो २० वर्ष से कम आयु की वेश्याओ की संख्या कितनी है ?

गृह-कार्य उपमंत्री (श्रीमती आल्वा) : (क) जी नही।

(ख) प्रश्न ही नही उठता।

पिछड़े वर्गों का कल्याण

१०५२. श्री श्री नारायण दास : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९५६–५७ के आय-व्ययक में पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिये जो ३६१.०० लाख रुपये रखे गये हैं, उनका वितरण किस प्रकार किया गया है ;

(ख) जो राशियां दी गई हैं उन्हें किस प्रकार व्यय किया गया है ;

(ग) राज्य सरकारों ने इस सम्बन्ध में कितनी योजनायें बनाई हैं और उन पर कितना व्यय किया गया है ; और

(घ) उन योजनाओ के ब्यौरे क्या हैं और उनसे कितने लोग लाभान्वित हुए हैं ?

गृह-कार्य उपमंत्री (श्रीमती आल्वा) : (क) एक विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है। [देखिये परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या ४७]

(ख) १९५६–५७ में की गई प्रगति की रिपोर्ट राज्य सरकारो से प्राप्त नहीं हुई है।

(ग) तथा (घ). राज्य सरकारों ने जिन मदों के लिये योजनायें बनाई हैं वे इस प्रकार हैं—'शिक्षा', 'आर्थिक विकास' (जिसमे कुटीर उद्योग, कृषि तथा सहकारिता शामिल हैं), 'चिकित्सा तथा जन-स्वास्थ्य', 'पानी की सप्लाई', 'गृह-निर्माण,' 'उपनिवेशन', 'अस्पृश्यता निवारण के लिये प्रचार', 'स्वयं सेवक संस्थाओ को सहायता' आदि। यह बताना सम्भव नहीं है कि इन योजनाओ से कितने व्यक्तियो को लाभ पहुंचा है।

हिन्दी

१०५३. { श्री रा० स० तिवारी :
श्री श्रीनारायण दास :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को हिन्दी पढ़ाने के कार्य मे सरकार को कितनी सफलता मिली है ; और

(ख) अब तक कितने व्यक्ति हिन्दी सीख चुके हैं ?